[illegible]

“[illegible]”

[illegible]: 05/10/2018

[illegible] 05/10/2018 [illegible] “[illegible]” [illegible] “[illegible]” [illegible] “[illegible]” (Symposium) [illegible] I [illegible] “[illegible]” [illegible] I [illegible]. [illegible] I [illegible] ([illegible], [illegible]) [illegible] I [illegible]. [illegible]. [illegible] “[illegible]” [illegible] I [illegible] “[illegible]” [illegible], [illegible].....I [illegible] I [illegible] I ‘[illegible]’ [illegible]. [illegible], [illegible], [illegible] I [illegible] “[illegible]” [illegible] I [illegible]. [illegible] ([illegible],[illegible]) [illegible]. [illegible] ([illegible], [illegible]), [illegible]. [illegible] ([illegible], [illegible].[illegible]. [illegible]), [illegible]. [illegible] ([illegible], [illegible]), [illegible]. [illegible] ([illegible], [illegible]), [illegible] ([illegible], [illegible]) [illegible] ([illegible], [illegible]) [illegible] I

राष्ट्रीय परिसंवाद
संगीत और मानव जीवन

अक्टूबर 05, 2018

प्रति,

_____

_____

_____

- आयोजक -

संगीत विभाग एवं महाविद्यालय शोध समिति

- प्रेषक -

संगीत विभाग एवं महाविद्यालय शोध समिति
शासकीय मानकुँवर बाई कला एवं वाणिज्य स्वशासी महिला महाविद्यालय ,
जबलपुर (म.प्र.)
नैक द्वारा प्राप्त 'A' ग्रेड

अतिथि कलाकार

डॉ. प्रभाकर कश्यप	-	अमृतसर, पंजाब
श्री दिवाकर कश्यप	-	खैरागढ़, छ.ग.
डॉ. चन्द्रकुमार चौरसिया	-	ललितपुर, उ.प्र.
डॉ. श्रुति मिश्रा	-	पटना, बिहार
डॉ. भावना माथुर	-	जयपुर, राजस्थान
श्री किशन प्रकाश	-	छपरा, बिहार
श्री टोपराज पटेल	-	खैरागढ़, छ.ग.

-कार्यक्रम स्थल -

शासकीय मानकुँवर बाई कला एवं वाणिज्य स्वशासी महिला महाविद्यालय, जबलपुर (म.प्र.)

आमंत्रण पत्र

संगीत और मानव जीवन

संगीत में असीम शक्ति निहित है। मधुर संगीत मानव को सदैव सरसता प्रदान करता है। जीवन ग्रंथ के पन्नों को कहीं से भी पलटियें कोई भी अध्याय ऐसा नहीं जिसे संगीत से शून्य कहा जाए। मनुष्य का जीवन गर्भ में आने से लेकर मृत्यु के अंतिम संस्कार तक संगीत से प्रभावित रहता है। बच्चा जब गर्भ में आता है तो महिलाओं द्वारा गोद भराई की रस्म में गीत गाकर मनुष्य का जन्म के पूर्व ही संगीत से रिश्ता जुड़ जाता है।

रेडियो तरंगों की तरह संगीत की भी शक्तिशाली तरंगे होती है। वे अपने प्रभाव क्षेत्र को प्रभावित करती हैं। प्राणियों में मनुष्य की बौद्धिक एवं संवेदनात्मक क्षमता अन्य प्राणियों से विशिष्ट है इसीलिए संगीत का उस पर असाधारण प्रभाव पड़ता है।

अनादि काल से ही मानव आनंद की खोज करता आया है। उसकी कल्पना ही इस सृष्टि के साथ तदात्म्य स्थापित करती हुयी कलात्मक प्रकृति को रूप देने की चेष्टा करने हेतु ललित कलाओं को जन्म दिया गया। संगीत को ललित कलाओं में सर्वश्रेष्ठ स्थान प्राप्त है। संगीत एक व्यवस्थित क्रियाकलाप है, सुर ताल क्रम में होते है। धरती एक निश्चित क्रम में घूमती है मनुष्य की धड़कन क्रम से चलती है। इसी प्रकार संगीत भी क्रमबद्ध ललित कला है जो जीवन को प्रभावित करती है।

संगीत में तापीय व प्रकाशीय ऊर्जा होती है व प्राणी के विकास में इतना महत्वपूर्ण स्थान रखती है कि जितना अन्न व जल। पीड़ित व्यक्ति के लिए तो संगीत रामबाण औषधि की तरह है जिसका श्रवण पान करने से शांति मिलती है।

सच बात तो यह है कि ईश्वर आत्मा जीवन व्यवस्था, समाज व्यवस्था पर अनेक लोग अनेक जातियों के अनेक नाम हो सकते हैं किंतु संगीत की उपयोगिता और सम्मोहनी शक्ति पर किसी भी देश के किसी भी व्यक्ति का विरोध नहीं है। आज सारी दुनिया में आपाधापी है मनुष्य मशीन बन गया है। उसकी भावनाएं व संवेदनायें शून्य हो रही हैं। इन्हीं समस्याओं के समाधान के लिये मनुष्य बेचैन है। इसी समाधान को दृष्टिगत रखते हुए इस राष्ट्रीय परिसंवाद का आयोजन महाविद्यालय के संगीत विभाग एवं शोध समिति के द्वारा किया जा रहा है।

परिसंवाद संरक्षक

डॉ. श्रीमती गीता श्रीवास्तव
प्राचार्य
शासकीय मानकुँवर बाई कला एवं वाणिज्य स्वशासी महिला महाविद्यालय, जबलपुर (म.प्र.)

कार्यक्रम विवरण

दिनांक: 5 अक्टूबर 2018 समय : दोप. 02.00 बजे

मुख्य अतिथि - प्रो. के.एल. जैन
अतिरिक्त संचालक, उच्च शिक्षा, जबलपुर संभाग, म.प्र.

विशिष्ट अतिथि - माननीय श्री दिलीप दुबे
अध्यक्ष, जनभागीदारी समिति,
शास.मानकुँवर बाई कला एवं वाणिज्य स्वशासी महिला महाविद्यालय, जबलपुर

अध्यक्ष - डॉ. श्रीमती गीता श्रीवास्तव
प्राचार्य,
शास.मानकुँवर बाई कला एवं वाणिज्य स्वशासी महिला महाविद्यालय, जबलपुर

राष्ट्रीय परिसंवाद आयोजन समिति

संयोजक	सह संयोजक	संयोजक	सह संयोजक
डॉ. राजीव जैन	डॉ. मीरा काले	डॉ. स्मृति शुक्ल शोध समिति	डॉ. रंजी मिश्रा शोध समिति

संगीत विभाग

डॉ. प्रथा बैनर्जी
डॉ. अखिलेश सप्रे
श्रीमती सविता दास गुप्ता
डॉ. चंचल आचार्य
श्री सुदामा प्रसाद नामदेव